tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

अर्शदीप ने इंस्टाग्राम से हटाए 200 पोस्ट?
Page-04

अब फिर से करना चाहती हूं सार्थक अभिनय
Page-05

ट्विशा शर्मा डेथ मिस्ट्री केस अब सीबीआई ने अपने हाथ में ले लिया

सीबीआई ने कल ट्विशा शर्मा डेथ मिस्ट्री केस भोपाल पुलिस से टेकओवर कर लिया और इस मामले में जांच शुरू कर दी है। कल रात को ट्विशा के पति समर्थ सिंह को लेकर पुलिस उनके घर गई और सीन का रीक्रिएशन भी किया गया। सोमवार को CBI ने भोपाल पुलिस द्वारा पहले दर्ज की गई FIR को फिर से दर्ज किया और समर्थ सिंह के साथ-साथ उनकी मां, रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह के खिलाफ भी मामला दर्ज किया। CBI की स्पेशल क्राइम यूनिट की एक टीम भोपाल पहुंची और पिछली जांच के दौरान जमा किए गए पुलिस रिकॉर्ड, बयान, मेडिकल दस्तावेज और अन्य सबूतों को अपने कब्जे में लिया। जांचकर्ताओं को कथित तौर पर ऐसे सबूत मिले हैं जो दहेज से जुड़े आरोपों की ओर इशारा करते हैं, जिसके बाद इस मामले में दहेज हत्या से संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। CBI की FIR में विशेष जांच दल (SIT) के प्रमुख रजनीश कश्यप कौल को शिकायतकर्ता के रूप में नामित किया गया है। CBI के जिम्मा संभालने से पहले, पुलिस ने समर्थ सिंह से तीन दिनों में लगभग 10 घंटे तक पूछताछ की थी। पूछताछ के दौरान, उसने यह माना कि ट्विशा के साथ उसकी शादी में दिक्कतें आ गई थीं, लेकिन उसने ट्विशा के साथ कभी भी शारीरिक हिंसा करने से इनकार किया। उसके अनुसार, मार्च तक उनका रिश्ता काफी हद तक ठीक-ठाक रहा, लेकिन उसके बाद ट्विशा के भाई की शादी के बाद उनके बीच तनाव बढ़ गया।

कांग्रेस अब दलित वोटरों पर करेगी फोकस

राहुल गांधी ने कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग की बैठक में एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस पार्टी के भीतर दलितों की भूमिका अहम होगी। राहुल गांधी ने बिना किसी का नाम लिए यह स्वीकार किया कि 1980 और 90 के दशक में कांग्रेस ने दलितों के लिए सही कदम नहीं उठाए थे। उन्होंने कहा कि अगर उस समय सही फैसले लिए जाते, तो जाति आधारित क्षेत्रीय पार्टियां कभी पैदा नहीं होतीं और न ही दलित समुदाय कांग्रेस से दूर जाता। राहुल गांधी के अनुसार, कांग्रेस की अपनी नीतियों की वजह से ही ये क्षेत्रीय दल मजबूत हुए। बैठक में मौजूद सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी ने बसपा के संस्थापक कांशीराम की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि कांशीराम ने दलित समाज को एकजुट करने और उनमें आत्मविश्वास भरने का बहुत बड़ा काम किया।

बंगाल की राजनीति में हलचल

टीएमसी छोड़ भाजपा मंच पर दिखीं काकोली घोष

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

पश्चिम बंगाल की राजनीति में उस समय बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला जब काकोली घोष दस्तीदार ने तृणमूल कांग्रेस के संगठनात्मक पद से इस्तीफा देने के बाद भाजपा सरकार के आधिकारिक कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराई। कल्याणी में आयोजित प्रशासनिक समीक्षा बैठक में वे विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के साथ मंच साझा करती नजर आईं। इस बैठक में टीएमसी के छह विधायक भी मौजूद रहे, जिससे राज्य की राजनीति में नए समीकरणों की चर्चा तेज हो गई है।बारासात से सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने हाल ही में पार्टी में अपने साथ हुए व्यवहार को लेकर सार्वजनिक नाराजगी जताई थी और जिला पदाधिकारी पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके इस कदम को टीएमसी के भीतर बढ़ती असंतुष्टि से जोड़कर देखा जा रहा है। बैठक में टीएमसी विधायक अनीसुर रहमान बिस्वास,

- **टीएमसी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने संगठनात्मक पद से इस्तीफा देने के बाद भाजपा मंच पर उपस्थिति दर्ज कराई।**
- **सुवेंदु अधिकारी की बैठक में छह टीएमसी विधायक भी शामिल हुए, जिससे बंगाल की राजनीति में नए समीकरणों की चर्चा तेज हो गई।**

बीना मंडल और मोहम्मद अब्दुल मतीन समेत अन्य नेता भी शामिल हुए, जिसने राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ा दी। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि आने वाले दिनों में बंगाल की राजनीति में और बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।इस घटनाक्रम के बाद टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर काकोली घोष पर तंज कसते हुए पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि उनकी आगे की राजनीतिक यात्रा सुखद हो और अब उनसे जुड़े विवाद हमेशा के लिए समाप्त हो जाएं। इस बयान को पार्टी के भीतर बढ़ती खींचतान और अंदरूनी नाराजगी का संकेत माना जा रहा है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विधानसभा चुनाव में अपेक्षित प्रदर्शन न होने के बाद टीएमसी के भीतर असंतोष धीरे-धीरे खुलकर सामने आ रहा है। वहीं भाजपा इस स्थिति को अपने पक्ष में भुनाने की कोशिश में जुटी हुई है।

मोइली ने कहा पार्टी नेतृत्व मामले पर अंतिम निर्णय लेगा

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन और मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलों के बीच, वरिष्ठ कांग्रेस नेता एम. वीरप्पा मोइली ने मंगलवार को कहा कि सभी पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को कांग्रेस हाई कमांड के फैसले का पालन करना चाहिए। मोइली ने कहा कि नई दिल्ली में राज्य के वरिष्ठ नेताओं के साथ चर्चा के बाद पार्टी नेतृत्व इस मामले पर अंतिम निर्णय लेगा। उन्होंने कहा कि अब राय देने का समय समाप्त हो गया है। हम एक लोकतांत्रिक पार्टी हैं। सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को पार्टी के फैसले का पालन करना चाहिए। सभी जानकारी हाई कमांड के सामने रखी जाएगी। वे सही निर्णय लेंगे। आगामी राज्यसभा चुनावों के बारे में, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वे उच्च सदन के माध्यम से पार्टी में योगदान देने के इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि मैंने पहले ही अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है। मैं अभी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा। मैं राज्यसभा सांसद के रूप में पार्टी और देश के लिए अधिक योगदान दे सकता हूं। ये टिप्पणियां कांग्रेस मुख्यालय, इंदिरा भवन, नई दिल्ली में चल रही बैठक के बीच आई हैं, जिसमें कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पार्टी के उच्च कमान के साथ शामिल हैं। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल, राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला और कांग्रेस नेता सचिन पायलट सहित कई नेता उपस्थित थे।

भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता 1 जून से लागू

होर्मुज संकट के बीच भारत को मिलेगी बड़ी राहत

- **इस मुक्त व्यापार समझौते में ओमान ने भारत के 98.08 फीसदी सामानों पर टैरिफ खत्म कर दिया है. इससे भारत का ओमान को किया जाने वाला 99.38 फीसदी एक्सपोर्ट पूरी तरह टैरिफ फ्री हो जाएगा.**

भारत और ओमान के बीच 1 जून से मुक्त व्यापार समझौता लागू होने जा रहा है. इस समझौता सिर्फ सामान की अदला-बदली का नहीं होगा, बल्कि यह भारत के लिए नया कॉरिडोर खोल सकता है. होर्मुज के मौजूदा संकट से निपटने के लिए यह काफी मददगार साबित हो सकता भारत पिछले कुछ दशक के सबसे बड़े ऊर्जा संकट से गुजर रहा है. ईरान और अमेरिका के बीच जारी लंबे युद्ध ने तेल और गैस सहित तमाम सेक्टर पर जबरदस्त असर डाला है. चौतरफा मुश्किलों से घिरे भारत के लिए अगले महीने की शुरुआत से एक राहत भरी खबर आ रही है. भारत और खाड़ी देश ओमान के बीच मुक्त व्यापार समझौता 1 जून, 2026 से लागू हो जाएगा. इस समझौते की सबसे खास बात ये है कि ओमान होर्मुज के दायरे से बाहर है तो इस समझौते से भारतीय अर्थव्यवस्था को क्या फायदा मिलने वाला है. भारत और ओमान के बीच 18 दिसंबर, 2025 को कॉम्प्रिहेंसिव इकनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (CEPA) हुआ था, जो 1 जून से प्रभावी हो जाएगा. भारत ने पिछले कुछ समय से ओमान के अलावा कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता किया है. जाहिर है कि इस समझौते से दोनों ही देशों को एक-दूसरे के बाजार में बिना टैरिफ चुकाए अपने सामान बेचने का मौका मिलेगा, लेकिन ओमान इस मामले में कुछ खास है. इसकी सबसे बड़ी वजह उसका होर्मुज के दायरे से बाहर होना. इसका मतलब है कि दोनों देशों के बीच बिना होर्मुज की बाधा के ही कारोबार किया जा सकता है|

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है. अमेरिकी सेना ने दक्षिणी ईरान में कई सैन्य ठिकानों पर आत्मरक्षा का हवाला देकर हमला किया है. अमेरिकी सेंटकॉम के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने बताया कि इन हमलों में मिसाइल लॉन्च साइट्स और उन ईरानी जहाजों को निशाना बनाया गया, जो समुद्र में बारूदी सुरंगें बिछाने की कोशिश कर रहे थे. अमेरिका का कहना है कि यह कार्रवाई अमेरिकी सैनिकों को ईरानी खतरों से बचाने के लिए की गई. इससे पहले ईरानी मीडिया ने दक्षिणी बंदरगाह शहर बंदर अब्बास में धमाकों की खबर दी थी. इसी बीच युद्ध खत्म करने के लिए कतर में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत भी जारी है. ईरान का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल दोहा पहुंचा है, जिसमें संसद अध्यक्ष मोहम्मद बघेर कालिबाफ और विदेश मंत्री अब्बास अरागची शामिल हैं.

शिवराज सिंह चौहान की किताब 'अपनापन' का विमोचन

बोले- मोदी जी के रोम-रोम में बसता है देश

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लिखी गई पुस्तक 'अपनापन' का आज दिल्ली के पूसा सभागार में एक भव्य समारोह में विमोचन किया गया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में देश की कई बड़ी राजनीतिक हस्तियों ने शिरकत की, जिनमें पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा और पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू मौजूद रहे। इसके अलावा, कई राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री भी कार्यक्रम में शामिल हुए। पुस्तक के लोकार्पण के मौके पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा, "कभी-कभी एक ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने का मौका मिलता है, जो एक नेता होता है। ऐसे ही नेता हैं नरेंद्र मोदी, जिनके रोम-रोम में देश की जनता बसी है। मैंने उनके साथ काम करते हुए जो कुछ भी सीखा और अनुभव किया, उसे इस पुस्तक के माध्यम से देश को समर्पित कर रहा हूं।" शिवराज सिंह चौहान ने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया कि पीएम मोदी से उनकी

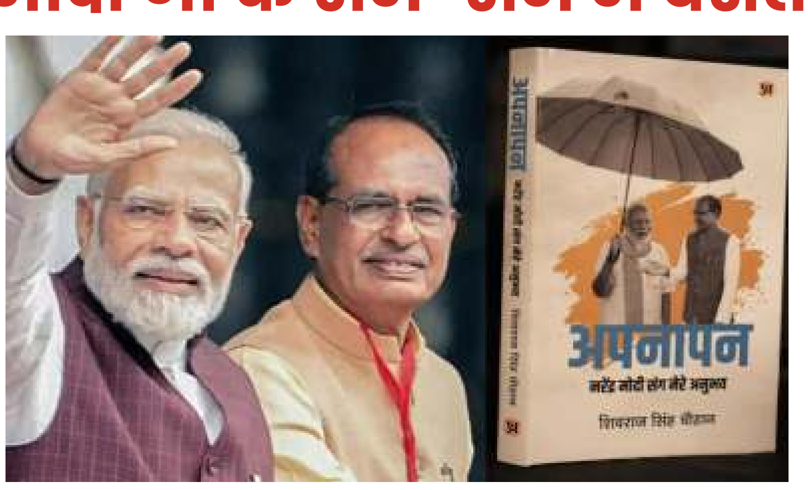

पहली मुलाकात 'एकता यात्रा' के दौरान हुई थी, जिसके संचालक खुद नरेंद्र मोदी थे। आतंकियों के हमले और तत्कालीन कांग्रेस सरकार के अवरोधों के बावजूद, डॉ. मुरली मनोहर जोशी और नरेंद्र मोदी ने श्रीनगर के लाल चौक पर तिरंगा फहराया था। मोदी जी ने तब कहा था कि 'तिरंगा सिर्फ लाल चौक पर ही नहीं, बल्कि देश के हर युवा के दिल में फहराना है। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने बहुत पहले ही तकनीक की ताकत को समझ लिया था कि देश को विकसित कैसे करना है। आज A I (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) समिट का आयोजन उन्हीं की इसी सोच का नतीजा है। उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए मोदी जी ने नर्मदा जल का प्रबंधन इस तरह किया कि गुजरात के रेगिस्तान से लेकर मध्य प्रदेश के निमाड़ और पाड़ार तक सिंचाई का पानी पहुंचा। शिवराज सिंह ने बताया कि मध्य प्रदेश में उनके द्वारा शुरू की गई 'लाडली लक्ष्मी योजना' और बेटियों को बचाने का अभियान, उन्होंने मोदी जी की प्रेरणा से ही सीखा था। कोरोना महामारी के दौर को याद करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब वरिष्ठ अधिकारी भी संक्रमित हो रहे थे, तब पीएम मोदी के कुशल निर्देशन में पीपीई किट, ऑक्सीजन सिलेंडर और प्रवासी मजदूरों के लिए गाड़ियों का प्रबंध युद्ध स्तर पर किया गया।

ब्रिटेन में हरियाणा का जलवा
मां-बेटे ने एक साथ जीत लिया मेयर चुनाव

हरियाणा के रोहतक से ताल्लुक रखने वाले एक परिवार ने ब्रिटेन में इतिहास रच दिया है। 23 वर्षीय तुषार कुमार और उनकी मां परवीन रानी एक साथ अलग-अलग शहरों के मेयर चुने गए हैं। इस उपलब्धि को भारतीय समुदाय और खासकर हरियाणा के लिए गर्व का क्षण माना जा रहा है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

ब्रिटेन की धरती से भारत, खासकर हरियाणा के लिए एक बेहद गौरवशाली खबर सामने आई है। दरअसल, रोहतक के एक ही परिवार के मां-बेटे ने ब्रिटेन में एक साथ मेयर का चुनाव जीतकर नया इतिहास रच दिया है। साल 2013 में हरियाणा से यूके गए इस परिवार की इस दोहरी सफलता ने देश-दुनिया में तहलका मचा दिया है। मात्र 23 साल के तुषार कुमार और उनकी मां परवीन रानी अब ब्रिटेन के दो अलग-अलग शहरों में मेयर की कमान संभालेंगे। तुषार कुमार ने इसके साथ ही ब्रिटेन में सबसे कम उम्र के भारतीय मूल के मेयर बनने का गौरव भी हासिल कर लिया है। यह कामयाबी हरियाणा के सोनीपत जिले के खरखौदा स्थित रोहना गांव से ताल्लुक रखने वाले परिवार को मिली है। यह परिवार लंबे समय तक रोहतक में रहा और फिर साल 2013 में ब्रिटेन चला गया था। तुषार कुमार ने 13 मई को एल्स्ट्री और बोरहमवुड टाउन काउंसिल के सबसे युवा मेयर के रूप में शपथ ली। इसके ठीक एक हफ्ते बाद, 20 मई को उनकी मां परवीन रानी को हट्र्समेर बरो काउंसिल का पहला भारतीय मूल का मेयर चुना गया। तुषार के पिता और यूके के व्यवसायी सुनील दहिया ने कहा कि एक ही समय पर मां और बेटे का मेयर बनना पूरे परिवार और भारतीय समुदाय के लिए बड़े गर्व की बात है। तुषार कुमार की यह सफलता युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा है। जब वे 2013 में यूके गए थे, तब उनकी उम्र महज 10 साल थी। तुषार जब लंदन के किंग्स कॉलेज में राजनीति शास्त्र से बीएससी ऑनर्स के द्वितीय वर्ष के छात्र थे, तभी महज 20 साल की उम्र में वे पहली बार काउंसलर चुने गए थे। उन्होंने साल 2023 में एल्स्ट्री और बोरहमवुड टाउन काउंसिल में लेबर पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। इसके बाद वे साल 2025 में डिप्टी मेयर बने और अब उन्होंने मेयर का पदभार संभाला है। तुषार इस साल सितंबर से अपनी मास्टर डिग्री की पढ़ाई भी शुरू करने जा रहे हैं। तुषार और उनकी मां परवीन रानी का पूरा जीवन समाज सेवा को समर्पित रहा है। मेयर बनने से पहले परवीन रानी हट्र्समेर में डिप्टी मेयर और कैबिनेट सदस्य के रूप में काम कर चुकी हैं। यह परिवार ब्रिटेन में रहने के बावजूद अपनी मिट्टी और संस्कृति से पूरी तरह जुड़ा हुआ है। वे हर साल रोहतक आते हैं। तुषार और उनकी मां यूके में जन्मे बच्चों को मुफ्त में हिंदी सिखाते हैं। तुषार 'हिंदी शिक्षा परिषद' नामक धर्मार्थ संस्था से भी जुड़े हुए हैं। उनका मानना है कि युवाओं को सामाजिक कार्यों में उतरने के लिए उम्र का इंतजार नहीं करना चाहिए।

ईरान-अमेरिका डील से बाहर हुआ पाकिस्तान कतर बन गया मुख्य मध्यस्थ?

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कतर की राजधानी दोहा में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बेहद अहम बातचीत अब किसी बड़े समझौते की ओर बढ़ती दिखाई दे रही है. क्षेत्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों देशों के बीच कई अहम मुद्दों पर सहमति बनने लगी है, जिससे पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के फिर से सामान्य होने की उम्मीद बढ़ गई है. अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक कतर की मध्यस्थता में अमेरिका और ईरान के बीच विदेशों में फ्रोजेन ईरानी असेट्स को लेकर एक शुरूआती सूत्रों का कहना है कि अगर बातचीत इसी तरह आगे बढ़ती रही, तो जल्द ही बड़े समझौते का ऐलान हो सकता है. दोहा में ईरान की ओर से संसद अध्यक्ष मोहम्मद बघेर कालिबाफ विदेश मंत्री अब्बास अरागची और केंद्रीय बैंक प्रमुख अब्दोलनासेर हेम्मती शामिल हुए. इससे साफ है कि तेहरान इस बातचीत को बेहद गंभीरता से ले रहा है. इस पूरी बातचीत का सबसे अहम मुद्दा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बना हुआ है. दुनिया का करीब 20 प्रतिशत तेल इसी समुद्री रास्ते से गुजरता है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रस्तावित समझौते में 60 दिन के युद्धविराम, होर्मुज में जहाजों की आवाजाही बहाल करने, ईरानी तेल निर्यात की अनुमति और परमाणु कार्यक्रम पर आगे की बातचीत शामिल है. ईरान-अमेरिका की वार्ता में पहले मध्यस्थता का जिम्मा पाकिस्तान और तुर्की ने उठा रखा था. पाकिस्तान ने दोनों देशों के बीच पहले दौर की वार्ता भी इस्लामाबाद में करवाई थी लेकिन इसमें कोई हल नहीं निकल सका. इसके बाद दूसरे दौर की वार्ता के लिए भी कोशिशें भरपूर हुईं लेकिन दोनों देश आमने-सामने बैठ तक नहीं सके.

सावंतवाड़ी स्टेशन का नाम बदलने के प्रस्ताव को मंजूरी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

महाराष्ट्र कैबिनेट ने सावंतवाड़ी रेलवे स्टेशन का नाम बदलने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अधिकारियों ने बताया कि महाराष्ट्र कैबिनेट ने मंगलवार को सावंतवाड़ी स्टेशन का नाम बदलकर 'लोकमान्य मधु दंडवते रेलवे टर्मिनस' करने के प्रस्ताव को मंज़ूरी दे दी। यह नामकरण दिवंगत समाजवादी नेता के सम्मान में किया गया है, जिन्हें कोंकण रेलवे का "शिल्पकार" माना जाता है। बता दें कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई। अब कैबिनेट बैठक में मंजूर किए गए प्रस्ताव को अंतिम मंज़ूरी के लिए केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक इस फैसले से कोंकण क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से चली आ रही एक मांग पूरी हुई है। मधु दंडवते एक कद्दावर समाजवादी नेता थे। वह राजापुर लोकसभा सीट (2009 में परिसीमन के बाद अब रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग सीट) से 5 बार सांसद रहे थे। उन्होंने मोरारजी देसाई सरकार में रेल मंत्री और वी.पी. सिंह सरकार में वित्त मंत्री के रूप में भी कार्य किया था। वहीं एक अन्य फैसले में, कैबिनेट ने 'महाराष्ट्र सरकारी कर्मचारी स्थानांतरण विनियमन और सरकारी कर्तव्यों के निर्वहन में देरी की रोकथाम अधिनियम, 2005' में संशोधनों को मंज़ूरी दी। इसके तहत, 2026 में राज्य सरकार के कर्मचारियों के सामान्य स्थानांतरण (ट्रांसफर) की समय सीमा बढ़ा दी गई है।

इसके अलावा कैबिनेट ने ठाणे जिले के कल्याण तालुका में स्थित डोंबिवली औद्योगिक क्षेत्र के अंतर्गत, सागाव सोनारपाड़ा में पिंपलेश्वर देवस्थान मंदिर ट्रस्ट को 4 एकड़ और 25 गुंठा जमीन आवंटित करने को भी मंजूरी दी। बयान में कहा गया है कि राज्य सरकार ने मंदिर ट्रस्ट द्वारा ज़मीन के उपयोग को नियमित करने को मंज़ूरी दी और नाममात्र की दर पर जमीन का स्वामित्व ट्रस्ट को हस्तांतरित करने की स्वीकृति प्रदान की।

एक अलग फैसले में, कैबिनेट ने विदर्भ क्षेत्र में स्थित जिले के हिंगना तालुका के गोधनी और लाडगांव (रिठी) गांवों में 'न्यू नागपुर' और 'न्यू आउटर रिंग रोड' परियोजना के लिए आवश्यक निजी जमीन की सीधी खरीद पर लगने वाले स्टांप शुल्क और पंजीकरण शुल्क में छूट देने को मंजूरी दी। बयान में बताया गया है कि इस परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया जमीन मालिकों के साथ सीधी बातचीत के माध्यम से पूरी की जाएगी।

अमेरिका से पहले से ज्यादा मजबूत हुई साझेदारी- नेतन्याहू

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई बातचीत के बाद ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा, 'मेरी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीति एक जैसी है, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होगा।' नेतन्याहू ने कहा कि हम दोनों नेताओं के बीच कल होर्मुज स्ट्रेट खोलने के संभावित समझौते और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर होने वाली आगामी वार्ता को लेकर चर्चा हुई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने ट्रंप को इजरायल की सुरक्षा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने 'शागात हाआरी' और 'Epic Fury' जैसे अभियानों का जिक्र करते हुए कहा कि इन ऑपरेशनों में अमेरिकी और इजरायली सेनाओं ने ईरानी खतरे के खिलाफ मिलकर काम किया। इजरायली प्रधानमंत्री के मुताबिक, दोनों नेता इस बात पर सहमत हैं कि ईरान के साथ कोई भी अंतिम समझौता तभी स्वीकार होगा जब उसका परमाणु खतरा पूरी तरह खत्म किया जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए ईरान के परमाणु संवर्धन केंद्रों को नष्ट करना और संवर्धित परमाणु सामग्री को उसके क्षेत्र से बाहर करना जरूरी है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने लेबनान समेत सभी मोर्चों पर इजरायल के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन दोहराया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजरायल की साझेदारी युद्ध के मैदान में साबित हुई है। अब यह पहले से ज्यादा मजबूत हो चुकी है। अंत में नेतन्याहू ने साफ कहा, 'मेरी नीति और राष्ट्रपति ट्रंप की नीति एक जैसी है, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होगा।'

विदेशी दौरे पर चीन जा रहे तारिक रहमान

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान जून के अंत में बीजिंग की यात्रा करने वाले हैं। यह नई बीएनपी सरकार के गठन के बाद उनकी पहली विदेश यात्रा होगी, हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निमंत्रण अभी लंबित है और उनकी पहली विदेश यात्रा के लिए पहले भूटान को चुना गया था। तारिक की इस यात्रा पर नई दिल्ली में कड़ी नजर रखी जाएगी, क्योंकि बांग्लादेश-चीन संबंध आंशिक रूप से ढाका द्वारा तीस्ता नदी जीर्णोद्धार परियोजना के लिए चीनी वित्तपोषण प्राप्त करने के नए प्रयासों से प्रेरित प्रतीत होते हैं - ऐसे समय में जब जल बंटवारा भारत और बांग्लादेश के बीच नवीनतम राजनयिक तनाव का मुद्दा बन गया है। ढाका ने कहा है कि भारत के साथ उसके संबंध काफी हद तक गंगा जल बंटवारे समझौते के नवीनीकरण या समापन पर निर्भर करेंगे, और इस बात पर जोर दिया कि अल्पकालिक समझौता अपर्याप्त होगा। बांग्लादेश में चीनी राजदूत याओ वेन ने हाल ही में कहा कि प्रधानमंत्री तारिक की आगामी चीन यात्रा दोनों देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करेगी, जो उन्होंने जोर देकर कहा कि नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा था कि चीन राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक विकास और जन कल्याण गतिविधियों को बनाए रखने में बांग्लादेश को हर संभव समर्थन देना जारी रखेगा। नदी परियोजना के अलावा, चीन और बांग्लादेश उच्च गुणवत्ता वाले बेल्ट एंड रोड सहयोग को बढ़ावा देने और व्यापार, निवेश, उद्योग, डिजिटल अर्थव्यवस्था, जल संसाधन, स्वास्थ्य और जन-संपर्क सहित विभिन्न क्षेत्रों में आदान-प्रदान और सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए हैं। विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा कि प्रधानमंत्री तारिक "किसी समय" निश्चित रूप से चीन का दौरा करेंगे, हालांकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा का समय और कार्यक्रम अभी तक तय नहीं हुआ है।

संपादक की कलम से

किसी भी देश का भविष्य उसके युवाओं पर निर्भर करता है। युवा शक्ति केवल जनसंख्या का हिस्सा नहीं होती, बल्कि राष्ट्र की ऊर्जा, रचनात्मकता और विकास की सबसे बड़ी ताकत होती है। लेकिन आज जिस तेजी से युवाओं में नशे की प्रवृत्ति बढ़ रही है, वह समाज और देश के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है। शराब, तंबाकू, ड्रग्स और नशीले पदार्थों का बढ़ता चलन न केवल युवाओं के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक समस्याओं को भी जन्म दे रहा है। आज का युवा कई प्रकार के दबावों से घिरा हुआ है। प्रतियोगिता, करियर की चिंता, बेरोजगारी, पारिवारिक तनाव और सामाजिक अपेक्षाओं का बोझ मानसिक दबाव को बढ़ाता है। कई बार युवा तनाव से बचने या आधुनिकता की झूठी छवि के प्रभाव में नशे की ओर आकर्षित हो जाते हैं। फिल्मों, सोशल मीडिया और गलत संगति का प्रभाव भी इस प्रवृत्ति को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। कुछ युवाओं के लिए नशा 'स्टेटस सिंबल' बनता जा रहा है, जो बेहद चिंताजनक है।नशे का प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका असर पूरे परिवार और समाज पर पड़ता है। नशे की लत व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता को प्रभावित करती है, जिससे अपराध, हिंसा और सड़क दुर्घटनाओं जैसी घटनाएं बढ़ सकती हैं। कई युवा नशे की लत के कारण पढ़ाई छोड़ देते हैं या रोजगार के अवसर खो बैठते हैं। परिवार आर्थिक और मानसिक तनाव का शिकार होता है, जबकि समाज को अपराध और असुरक्षा जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।सरकारें नशा रोकने के लिए कानून और जागरूकता अभियान चलाती रही हैं, लेकिन केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हो सकते। परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। माता-पिता को बच्चों के व्यवहार, मित्र मंडली और मानसिक स्थिति पर ध्यान देना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में भी मानसिक स्वास्थ्य, नशे के दुष्परिणाम और सकारात्मक जीवनशैली को लेकर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही युवाओं को खेल, कला, साहित्य और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना भी जरूरी है। जब युवाओं को अपनी ऊर्जा सही दिशा में लगाने का अवसर मिलता है, तो वे नकारात्मक आदतों से दूर रहते हैं। समाज को भी नशे के शिकार लोगों को अपराधी की तरह देखने के बजाय उन्हें उपचार और परामर्श देने की दिशा में संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। यह समझना होगा कि नशे की समस्या केवल व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक चुनौती है। यदि युवा पीढ़ी अपनी क्षमता और सपनों को नशे में खोने लगेगी, तो राष्ट्र के विकास की गति भी प्रभावित होगी। इसलिए समय रहते परिवार, समाज, शैक्षणिक संस्थानों और सरकार को मिलकर इस समस्या के समाधान के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे। स्वस्थ और जागरूक युवा ही मजबूत राष्ट्र की नींव बन सकते हैं।

असम में यूसीसी पर सियासत तेज

हिमंता बोले- अल्पसंख्यक महिलाओं को मिलेगा सबसे बड़ा संरक्षण

असम विधानसभा में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक का बचाव करते हुए कहा कि इसका लक्ष्य अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं की गरिमा और अधिकारों की रक्षा करना है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को विधानसभा में प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का बचाव करते हुए कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं को अधिक सुरक्षा और न्याय दिलाना है। सदन में हुई चर्चा में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने राजनीतिक हितों से ऊपर सामाजिक न्याय को प्राथमिकता दी और विधानसभा के पहले ही सत्र में धार्मिक अल्पसंख्यक महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से यूसीसी विधेयक पेश किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम यहां सिर्फ वोट बैंक की राजनीति के लिए नहीं आए हैं। अपने समर्थकों या राजनीतिक हितों के लिए कुछ भी करने से पहले, हमने सामाजिक न्याय के लिए समान नागरिक संहिता विधेयक पेश किया है। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि प्रस्तावित विधेयक अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं को उच्चतम स्तर की सुरक्षा प्रदान करेगा और विवाह, उत्तराधिकार और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित मामलों में उनके अधिकारों को मजबूत करेगा। उन्होंने विपक्षी दलों पर विधेयक के उद्देश्य को लेकर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यूसीसी अल्पसंख्यक समाजों की महिलाओं को अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। विधानसभा में हुई पिछली बहस को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने रायजोर दल के एक विधायक के साथ हुई अपनी पिछली बातचीत का जिक्र किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को कहा कि राज्य 2028 तक 10 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर है। असम विधानसभा में बोलते हुए सरमा ने बताया कि राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 2021-22 में 4 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वर्तमान में अनुमानित 8.72 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो 13 से 15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि इस अभूतपूर्व गति के साथ, असम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के विजन को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। वित्त मंत्रालय ने 2 फरवरी को बताया कि असम को 2014 से 2026 तक कर हस्तांतरण और केंद्रीय अनुदान के रूप में 5.61 लाख करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त, पूंजीगत व्यय के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना (एसएएससीआइ) के तहत असम को 17,000 करोड़ रुपये से अधिक का ब्याज-मुक्त ऋण प्रदान किया गया है। यह योजना वित्त आयोग की सिफारिशों से परे, टिकाऊ अवसंरचना के विकास के लिए केंद्र से 50 वर्षों के लिए ब्याज-मुक्त ऋण प्रदान करती है।vvv मंत्रालय ने आगे बताया कि वित्त वर्ष 2020 से 2026 (12 जनवरी, 2026 तक) के बीच, राज्य को एसएएससीआई के तहत 17,104 करोड़ रुपये प्राप्त हुए, जिससे बड़े पैमाने पर अवसंरचना और परिसंपत्ति निर्माण में सहायता मिली। इस बीच, सोमवार को असम के संसदीय कार्य मंत्री अतुल बोरा ने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की ओर से असम विधानसभा में "समान नागरिक संहिता विधेयक, 2026" पेश किया। इस विधेयक पर 27 मई को चर्चा और पारित होने की उम्मीद है।

पवन कल्याण ने टीवीके की त्वरित राजनीतिक सफलता पर 'ईर्ष्या' व्यक्त की

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और अभिनेता-राजनेता पवन कल्याण ने मज़ाकिया अंदाज़ में स्वीकार किया कि विजय और उनकी पार्टी, तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके), को तमिलनाडु की राजनीति में तेज़ी से आगे बढ़ते देखकर उन्हें ईर्ष्या हो रही है। एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए, पवन कल्याण ने विजय की त्वरित राजनीतिक सफलता की तुलना अपनी लंबी और कठिन राजनीतिक यात्रा से की और कहा कि उन्होंने ज़मीनी स्तर पर संघर्ष करते हुए 15 साल बिताए, जबकि टीवीके ने बहुत कम समय में व्यापक प्रभाव डाला। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब टीवीके के अभूतपूर्व चुनावी प्रदर्शन के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बनने के बाद से विजय लगातार राजनीतिक चर्चाओं में छाए हुए हैं। अपने भाषण के दौरान, पवन कल्याण ने तमिलनाडु की राजनीति पर बात करते हुए हास्य का पुट डाला। उन्होंने कहा कि उन्होंने तमिलनाडु में राजनीति के तौर-तरीकों को देखा और टीवीके द्वारा आसानी से जनता का ध्यान आकर्षित करने के तरीके को देखकर उन्हें ईर्ष्या हुई। विजय के चुनाव प्रचार के तरीके का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि विजय ने कटआउट और होलोग्राम का इस्तेमाल करके चुनाव जीता, जबकि उन्होंने वर्षों तक

सड़कों पर घूमकर और अपना राजनीतिक आधार शून्य से खड़ा किया। हालांकि यह कहते हुए वे हँसे, लेकिन पवन ने तुरंत स्पष्ट किया कि वे मजाक कर रहे थे और फिर एक राजनीतिक दल चलाने की चुनौतियों के बारे में गंभीरता से बात करने लगे। पवन कल्याण ने कहा कि राजनीति में धैर्य, गहरी समझ और लाखों लोगों की अपेक्षाओं से जुड़ने की क्षमता आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पिछले डेढ़ दशक के अपने संघर्ष ने उन्हें सिखाया है कि किसी राजनीतिक आंदोलन को कायम रखना कितना मुश्किल होता है। पवन द्वारा 2014 में स्थापित जन सेना पार्टी को शुरुआत में लोकप्रियता को चुनावी सफलता में बदलने में काफी संघर्ष करना पड़ा। 2019 के आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों में पार्टी केवल एक सीट जीतने में सफल रही, जबकि पवन स्वयं दोनों सीटों से चुनाव हार गए।

भाजपा में शामिल हुईं रितु जायसवाल

संजय सरावगी ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

राजद से लंबे समय तक जुड़ी रहीं रितु जायसवाल पिछले कुछ महीनों से पार्टी नेतृत्व से नाराज चल रही थीं। परिहार सीट से टिकट नहीं मिलने के बाद उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ा था। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद राज्य के सियासी समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। आरजेडी से निष्कासित रितु जायसवाल बीजेपी में शामिल हो गई हैं। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। रितु जायसवाल राजद महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष रह चुकी हैं। वहीं, वह शिवहर से राजद के टिकट पर पिछला लोकसभा चुनाव लड़ी थीं।रितु जायसवाल लंबे समय तक राजद का एक प्रमुख चेहरा रही हैं। मुखिया दीदी के नाम से रितु जानी जाती रही हैं। लेकिन पिछले कुछ महीनों से वे पार्टी नेतृत्व (खासकर तेजस्वी यादव) से नाराज चल रही थीं। नाराजगी की मुख्य वजह 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में उन्हें परिहार सीट से टिकट न मिलना था। टिकट कटने से नाराज रितु ने पार्टी से बगावत करते हुए निर्दलीय चुनाव लड़ा था, हालांकि इस चुनाव में

उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इस अनुशासनहीनता के बाद आरजेडी नेतृत्व ने उन्हें 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया था। बीजेपी में शामिल होने के बाद रितु जायसवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार की नीतियों की तारीफ की। पार्टी सदस्यता लेने के बाद उन्होंने कहा, "बीजेपी पार्टी राष्ट्र को आगे रखती है। प्रधानमंत्री देश के लिए अच्छा काम कर रहे हैं।" वहीं, रितु जायसवाल ने तेजस्वी पर निशाना साधते हुए कहा, "PM की योजनाएं आखिरी पंक्ति तक पहुंचती हैं, आज से मैं भाजपा की नेत्री हूं। मैंने भाजपा इसलिए ज्वॉइन किया है कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार की ओर से चलाई जा रही योजना से काफी खुश हूं।"

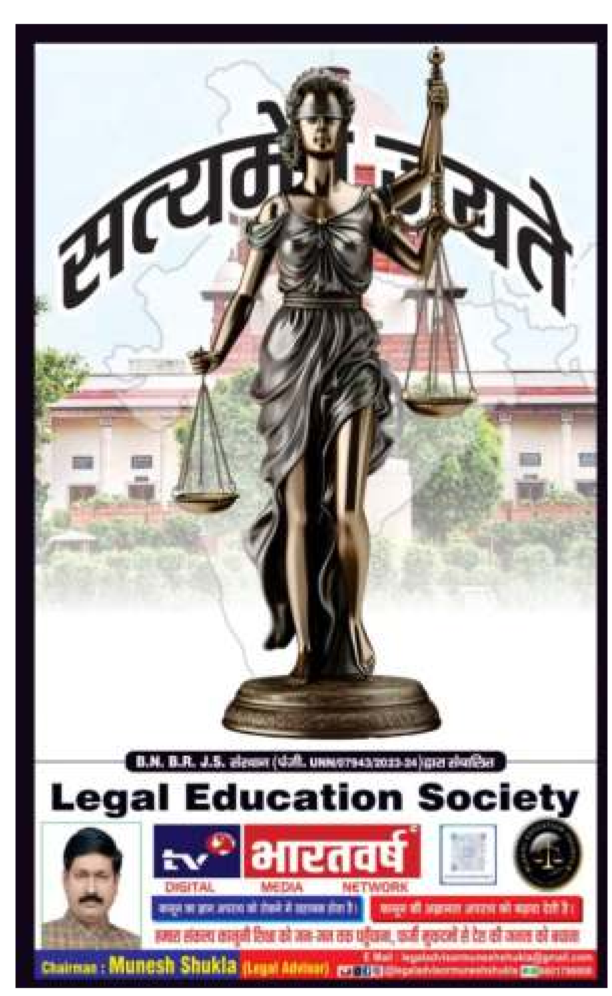

12 वीं के बाद AI बना नया करियर मंत्र हाई सैलरी कोर्स की मांग तेज

आमतौर पर 12वीं के बाद स्टूडेंट्स मेडिकल या फिर इंजीनियरिंग को करियर के रूप में चुनते हैं। लेकिन अब जमाना काफी बदल चुका है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने दुनिया के हर सेक्टर में नए कॅरियर ऑप्शन खोल दिए हैं। आमतौर पर 12वीं के बाद स्टूडेंट्स मेडिकल या फिर इंजीनियरिंग को करियर के रूप में चुनते हैं। लेकिन अब जमाना काफी बदल चुका है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने दुनिया के हर सेक्टर में नए कॅरियर ऑप्शन खोल दिए हैं। इनमें से कई जॉब का पैकेज करोड़ों में है। यही कारण है कि AI में कॅरियर बनाने वालों की डिमांड बढ़ती जा रही है। ऐसे में अगर आप भी चाहते हैं कि आपका फ्यूचर ब्राइट हो तो AI बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। क्योंकि इसमें न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया की टॉप कंपनियों में अच्छा सैलरी पैकेज मिलता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे AI कोर्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका सैलरी पैकेज करोड़ों में हो सकता है।

AI में करियर स्कोप

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ऐसी टेक्नोलॉजी है, जिसमें कंप्यूटर और मशीनें इंसानों की तरह सोच-समझकर फैसले लेती हैं। आज के समय में हर सेक्टर में इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जा रहा है। फाइनेंस से लेकर हेल्थकेयर, एडटेक, एग्रीकल्चर और यहां तक कि म्यूजिक इंडस्ट्री और सिनेमा में भी इसकी मदद ली जा रही है।

12वीं के बाद AI बेस्ट कोर्स

B.Sc in AI and Machine Learning

PCB या PCM से 12वीं पास छात्र इस कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। यह कोर्स तीन साल का है। भारत में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, IIT हैदराबाद और एमिटी यूनिवर्सिटी जैसे कॉलेज यह कोर्स कराते हैं।

B.Tech in AI

अगर आप इंजीनियरिंग माइंडसेट रखते हैं, तो एआई एंड डेटा साइंस में बीटेक कर सकते हैं। यह कोर्स चार साल का होता है। VIT, SRM यूनिवर्सिटी और IIT हैदराबाद यह कोर्स ऑफर करते हैं। 12वीं में पीसीएम करने वाले स्टूडेंट्स इसमें एडमिशन ले सकते हैं।

Diploma in AI

कम समय और कम फीस में एआई में डिप्लोमा करना करियर शुरू करने का सबसे अच्छा तरीका है। कई प्राइवेट और सरकारी इंस्टीट्यूट जैसे Aptech, NIELIT और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स ये डिप्लोमा कोर्सेस कराते हैं। यह डिप्लोमा कोर्स 1-2 साल के होते हैं।

AI के इन कोर्स में सैलरी

बता दें कि AI के इस कोर्स की अच्छी खासी सैलरी होती है। इसमें शुरुआती सैलरी पैकेज 6 से 12 लाख रुपए हो सकती है। वहीं कुछ सालों के एक्सपीरियंस के बाद यह पैकेज 50 लाख से 1 करोड़ रुपए हो सकता है। आपको टेस्ला, गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी ग्लोबल कंपनियों में आसानी से नौकरी मिल सकती है, जिनका पैकेज करोड़ों का होता है।

फ्रिज की कूलिंग पड़ गई धीमी? घर बैठे करें आसान पेपर टेस्ट

गर्मी का मौसम आते ही फ्रिज घर का सबसे जरूरी इलेक्ट्रॉनिक अप्लायंस बन जाता है। ठंडा पानी, फल, सब्जियां और बचा हुआ खाना सुरक्षित रखने के लिए लोग दिनभर फ्रिज का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कई बार अचानक फ्रिज पहले जैसी ठंडक देना बंद कर देता है। बर्फ जमने में समय लगने लगता है और फ्रिज लगातार चलता रहता है। ऐसे में लोग तुरंत मैकेनिक को बुलाने की सोचते हैं, जबकि कई बार समस्या बहुत छोटी होती है। पिछले दिनों मैं अपने रिश्तेदार के घर गया तो वहां भी कुछ ऐसी ही परेशानी देखने को मिली। उनका फ्रिज लगातार चल रहा था, लेकिन कूलिंग कम थी। फ्रीजर में आइस ठीक से नहीं जम रही थी और फ्रिज खोलने पर ठंडक भी कम महसूस हो रही थी। थोड़ी जांच करने पर पता चला कि समस्या किसी बड़े पार्ट में नहीं, बल्कि फ्रिज के दरवाजे की रबर में थी। फ्रिज के दरवाजे के चारों तरफ लगी रबर को गैस्केट (Gasket) कहा जाता है। इसका काम फ्रिज के अंदर की ठंडी हवा को बाहर निकलने से रोकना होता है। जब यह रबर ढीली, फटी या गंदी हो जाती है तो दरवाजा पूरी तरह सील नहीं हो पाता। इससे बाहर की गर्म हवा अंदर आने लगती है और फ्रिज को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। ऐसी स्थिति में फ्रिज लगातार चलता रहता है, लेकिन सही कूलिंग नहीं दे पाता। यही वजह है कि बिजली बिल भी बढ़ सकता है और कंप्रेसर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। फ्रिज की रबर सही है या नहीं, इसे जांचने के लिए आपको किसी खास उपकरण की जरूरत नहीं पड़ेगी। घर में मौजूद एक साधारण कागज या नोट से भी यह टेस्ट किया जा सकता है।

देव मीणा और कुलदीप कुमार ने पोल वॉल्ट में इतिहास रच दिया

आज हारने वाली टीम को क्वालीफायर 2 में भी मिलेगा मौका

दरअसल आईपीएल में लीग फेज के बाद जब प्लेऑफ शुरू होता है तो उसमें फाइनल सहित कुल मिलाकर चार मैच खेले जाते हैं। वैसे आपको बता दें कि आईपीएल में प्लेऑफ के मैच नॉकआउट नहीं होते हैं। यानी टीम हार जाए तो भी उसके आगे जाने की संभावना रहती है, लेकिन ऐसा केवल क्वालीफायर 1 में ही होता है। इसके बाद के मैच में जो टीम हारी उसकी कहानी खत्म हो जाती है। दरअसल आईसीसी टूर्नामेंट से आईपीएल के नियम थोड़े से अलग हैं। आईसीसी टूर्नामेंट में जो चार टीमें सेमीफाइनल में जाती हैं, उसमें पहले नंबर की टीम का मुकाबला चौथे नंबर की टीम से होता है, वहीं दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें आपस में भिड़ती हैं। लेकिन आईपीएल में कहानी कुछ और रहती है। आईपीएल में पहले दो नंबर की टीमों के बीच पहला मैच खेला जाता है। जिसे क्वालीफायर 1 कहा जाता है। इसमें जो टीम जीत दर्ज करती है, वो फाइनल में चली जाएगी, लेकिन हारने वाली टीम के लिए मौक खत्म नहीं होता। उसके पास मौका है कि वो दूसरा क्वालीफायर खेले। दूसरे क्वालीफायर में पहले क्वालीफायर की हारने वाली टीम और एलिमिनेटर में जीत दर्ज करने वाली टीमों के बीच आमना सामना होता है। यानी पहले और दूसरे नंबर पर जो टीमें होती हैं, उनके पास फाइनल में जाने के दो चांस होते हैं। यही वजह है कि टीमें जब प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर लेती हैं, उसके बाद वे टॉप 2 में फिनिश करने के बारे में सोचती हैं। आईपीएल में पहले दो नंबर की टीमों के बीच पहला मैच खेला जाता है। जिसे क्वालीफायर 1 कहा जाता है। इसमें जो टीम जीत दर्ज करती है, वो फाइनल में चली जाएगी, लेकिन हारने वाली टीम के लिए मौक खत्म नहीं होता। उसके पास मौका है कि वो दूसरा क्वालीफायर खेले। दूसरे क्वालीफायर में पहले क्वालीफायर की हारने वाली टीम और एलिमिनेटर में जीत दर्ज करने वाली टीमों के बीच आमना सामना होता है। यानी पहले और दूसरे नंबर पर जो टीमें होती हैं, उनके पास फाइनल में जाने के दो चांस होते हैं। यही वजह है कि टीमें जब प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर लेती हैं, उसके बाद वे टॉप 2 में फिनिश करने के बारे में सोचती हैं।

भारत के डी गुकेश और आर प्रज्ञाननंदा ने शानदार शुरुआत की

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करते हुए विन्सेंट कीमर के खिलाफ एक कड़े और तनावपूर्ण मैराथन मुकाबले के बाद जीत हासिल की और आर प्रज्ञाननंदा ने वेस्ली सो को हराया, लेकिन विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। गुकेश ने लगभग पांच घंटे तक चले 144 चाल के मुकाबले के बाद आर्मागेडन (मुख्य बाजी ड्रॉ रहने के बाद टाईब्रेक मुकाबला) में जीत के बदौलत 1.5 अंक हासिल किए, जबकि कीमर को क्लासिकल मुकाबला बराबर रहने के कारण एक अंक से ही संतोष करना पड़ा। इस मैराथन मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी अंतिम चरणों में स्पष्ट रूप से घबराया हुआ दिखा जबकि जर्मन खिलाड़ी ने पूरे क्लासिकल मुकाबले में संयम बनाए रखा। टाईब्रेक में हालांकि गुकेश ने जीत हासिल करने में देर नहीं लगाई। प्रज्ञाननंदा और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो के बीच क्लासिकल मुकाबला भी ड्रॉ रहा लेकिन

भारतीय खिलाड़ी ने आर्मागेडन टाईब्रेक में शानदार जीत हासिल की। दिन में हालांकि चर्चा का विषय मौजूदा चैंपियन कार्लसन की क्लासिकल शतरंज में अलीरेजा फिरोजा के हाथों हार थी। इस जीत से फिरोजा ने तीन अंक हासिल किए। कार्लसन ने मैच के अधिकांश हिस्से में नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन समय की कमी के कारण उनसे एक बड़ी चूक हो गई जिससे फिरोजा को बढ़त मिल गई।

अर्शदीप ने इंस्टाग्राम से हटाए 200 पोस्ट?

भारतीय टीम और पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह इन दिनों अपने प्रदर्शन से ज्यादा सोशल मीडिया गतिविधियों को लेकर चर्चा में हैं। आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स का अभियान खत्म होते ही अर्शदीप ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से 200 से ज्यादा पोस्ट डिलीट कर दिए, जिसके बाद फैंस के बीच कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। सबसे ज्यादा हैरानी इस बात को लेकर हुई कि उन्होंने विराट कोहली के साथ अपनी वायरल रील भी हटा दी, जिसे करोड़ों बार देखा गया था।दिलचस्प बात यह है कि अर्शदीप ने पंजाब किंग्स से जुड़े पोस्ट नहीं हटाए हैं। उनके इंस्टाग्राम बायो में अब भी पीबीकेएस का नाम मौजूद है। अकाउंट पर बची पोस्ट्स में परिवार के साथ बिताए पल और क्रिकेट मैदान की उपलब्धियां दिखाई देती हैं। आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी। अर्शदीप ने 14 मैचों में 14 विकेट लिए, लेकिन उनका इकोनॉमी रेट 10.21 रहा। रिपोर्ट में उन्हें टीम की असफलता की एक वजह भी बताया गया। हाल के समय में अर्शदीप

कई विवादों को लेकर भी सुर्खियों में रहे। एक वीडियो में युजवेंद्र चहल फ्लाइट में वेपिंग करते नजर आए थे, जिसके बाद रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि बीसीसीआई ने अर्शदीप को आईपीएल सीजन के दौरान व्लॉगिंग बंद करने को कहा था। इसके अलावा मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज तिलक वर्मा को लेकर उनकी टिप्पणी पर भी विवाद हुआ था। अर्शदीप ने कहा था, 'ओए अंधेरे, सनस्क्रीन लगाया?' सोशल मीडिया पर कई लोगों ने इसे सीमा पार करने वाला बयान बताया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने भी अर्शदीप की आलोचना की थी। उन्होंने एक्स पर लिखा था, 'किसी ने मेरी बात पर विश्वास नहीं किया। सबने मेरा मजाक उड़ाया। अर्शदीप को इस सीजन बैन कर देना चाहिए और उन्हें प्रो-राटा आधार पर भुगतान होना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा था, 'अगर बीसीसीआई कार्रवाई करता है, तो मैं उन लोगों के नाम बताऊंगा जिन्होंने मेरे साथ नस्लीय टिप्पणी की थी।

एसी सर्विस से मना करने वाले शख्स ने जीता दिल

300 रुपये के लिए जान क्यों दांव पर लगाऊं?

सोशल मीडिया पर एक एसी टेक्नीशियन का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक खतरनाक जगह पर लगे एसी की सर्विस करने से साफ मना कर देता है. यह मामला खारघर की एक ऊंची बिल्डिंग का बताया जा रहा है, जहां 23वीं मंजिल पर एसी का आउटडोर यूनिट बालकनी से काफी दूर बाहर की तरफ लगाया गया है. वीडियो में टेक्नीशियन लोगों को समझाता है कि वह इस काम को क्यों नहीं कर सकता. वह दिखाता है कि एसी यूनिट इतनी खतरनाक जगह पर लगी है कि वहां तक पहुंचना आसान नहीं है. अगर कोई व्यक्ति वहां सर्विस करने जाता है, तो गिरने का खतरा बहुत ज्यादा है. टेक्नीशियन कहता है कि सिर्फ 300-400 रुपये के लिए कोई अपनी जान खतरे में क्यों डालेगा. वह आगे कहता है कि अगर काम करते समय कोई हादसा हो जाता है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? उसके मुताबिक, इस तरह के काम में कोई भी सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए हैं, जैसे कि सेफ्टी बेल्ट, मजबूत प्लेटफॉर्म या अन्य जरूरी उपकरण. ऐसे में वहां काम करना बहुत ही खतरनाक है. ⊙

मेकिंग का वीडियो देख उड़ जाएंगे होश

आखिर कैसे बनती है 1 रुपये वाली चुस्की?

जैसे ही गर्मी ने अपना रंग दिखाना शुरू किया, सोशल मीडिया पर भी उसी के हिसाब से वीडियो शेयर होने लगे हैं. कहीं मिट्टी पर पापड़ सेंकने वाली महिला के वीडियो आ रहे हैं तो कहीं कोल्ड ड्रिंक से जुड़े वीडियो शेयर हो रहे हैं. इसी बीच, सोशल प्लेटफॉर्म पर 1 रुपये वाली चुस्की के वीडियो भी शेयर हो रहे हैं, जिनमें दिखाया जा रहा है कि आखिर इसे कैसे बनाया जाता है. इन वीडियो पर कई लोग कमेंट कर रहे हैं कि इन वीडियो ने बचपन की याद दिला दी जबकि कुछ लोग इस चुस्की को बनाए जाने के तरीके पर बात कर रहे हैं. वीडियो में दिख रहा है कि इन्हें बहुत ही गंदे तरीके से बनाया जा रहा है. तो आज इन वीडियो के जरिए देखते हैं कि आखिर 1 रुपये वाली चुस्की कैसे बनती है. वायरल हो रहे वीडियो में दिखाया जा रहा है कि इन चुस्की में सिर्फ केमिकल कलर मिलाए जा रहे हैं. पहले पानी में कलर घोला जाता है और फिर कलर डालकर इसे तैयार किया जा रहा है. एक मिल्क चुस्की वाले वीडियो में दिख रहा है कि पहले दूध को गर्म किया जा रहा है और फिर एक खास तरह के कलर से एक घोल तैयार किया जा रहा है. इसके बाद पानी से साथ उसमें वो कलर मिलाया जा रहा है और उन्हें पैक कर दिया जा रहा है. वहीं, एक वीडियो में दिख रहा है कि पानी में चीनी डालकर गर्म किया जा रहा है और फिर उसमें कलर मिलाकर अलग बाल्टियों में भरा जा रहा है. इसके बाद उन्हें छोटी प्लास्टिक की थैलियों में भरा जा रहा है और मशीन के जरिए पैक किया जा रहा है. ⊙

सोशल मीडिया पर चुस्की पैकेट्स के वीडियो वायरल हो रहे हैं.

चीन की सबसे ठंडी कॉफी ने इंटरनेट पर मचाया गदर

हॉट कॉफी और कोल्ड कॉफी तो बहुत तरह के देखें होंगे, लेकिन माइनस 80 डिग्री टेंप्रेचर पर बनने वाली काफी का स्वाद चखना, अपने आप में एक अनोखा अनुभव होता है. इन दिनों सोशल मीडिया पर ऐसी ही एक कॉफी खूब वायरल हो रही है. ऐसी कॉफी चाइना में मिलती है. इंटरनेट पर इन दिनों माइनस 80 डिग्री पर बनने वाली ये काफी काफी चर्चा में हैं. एक इंडियन महिला ने वीडियो शेयर कर इसके बनने से लेकर, इसका स्वाद चखने तक का पूरा वीडियो शेयर किया है. वीडियो की शुरुआत देखकर तो पहले डर लग जाता है कि आखिर इतनी ठंडी कॉफी लोग पीएंगे कैसे? सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर @swatiandprateek नाम के हैंडल से एक वीडियो शेयर की गई है. यह वीडियो यूजर के पर्सनल एक्सपीरियंस पर बेस्ड है. ⊙

पायलट ने माइक थामकर किया महिला का शुक्रिया

डोनट्स से खुशनुमा हुआ फ्लाइट का माहौल

एक सामान्य इंडिगो फ्लाइट उस समय खास बन गई, जब पायलट ने एक यात्री के लिए अलग अंदाज में अनाउंसमेंट किया. यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है साथ ही लोगों को काफी पसंद आ रहा है. वीडियो को इंस्टाग्राम पर मनीक मेहता ने शेयर किया है. इसमें पायलट फ्लाइट के बीच माइक लेकर एक खास घोषणा करते नजर आते हैं. आमतौर पर जहां फ्लाइट में सुरक्षा और यात्रा से जुड़ी घोषणाएं सुनाई देती हैं, वहीं इस बार पायलट का अंदाज कुछ अलग था. पायलट ने कहा कि स्पेशल शाउटआउट मिस शेट्टी के लिए, जिन्होंने आज क्रू के लिए डोनट्स लाए. हम ऐसे व्यवहार और दयालुता को प्रोत्साहित करते हैं. इस घोषणा ने तुरंत यात्रियों का ध्यान खींच लिया. इसके बाद पायलट ने मजाकिया अंदाज में उस यात्री को तलाशने की कोशिश की. उन्होंने पूछा कि क्या वह एयरलाइन से जुड़ी हैं या स्टाफ ट्रैवल पर हैं. ⊙

पायलट ने महिला को कॉफी ऑफर की और शुक्रिया अदा किया.

लोगों का रिएक्शन वायरल

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे खूब सराहा. कई यूजर्स ने कहा कि यह एक छोटा लेकिन दिल छू लेने वाला पल था. कुछ लोगों ने लिखा कि ऐसे जेस्चर फ्लाइट के अनुभव को खास बना देते हैं.वहीं कुछ यूजर्स ने कहा कि फ्लाइट क्रू के प्रति आभार जताना जरूरी है, क्योंकि वे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं. ⊙

मुंबई के फ्लैट का वीडियो देख चकराया लोगों का सिर

मुंबई के बांद्रा में अपने 2BHK फ्लैट की झलक दिखाती एक महिला का वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल हो रहा है. इस वीडियो में महिला ने इतना अधिक टेंट होने के बावजूद अपने फ्लैट को अंत में प्राइसलेस बताया है. ऐसा कहने के पीछे एक बड़ी वजह इस वीडियो में सामने आई है. वीडियो पर कई लोगों ने शहर में आसमान छूते किराए पर अपना ऑनलाइन रिएक्शन भी दिया है.यह वीडियो आर्य कोठारी नाम के शख्स ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. ⊙

अब फिर से करना चाहती हूं सार्थक अभिनय

30 साल बाद मुंबई लौटीं मीनाक्षी शेषाद्रि

90 के दशक की मशहूर और बेहद खूबसूरत अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि के फैंस के लिए एक बहुत बड़ी और खुशखबरी सामने आई है। 'हीरो' और 'दामिनी' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों से दर्शकों के दिलों पर राज करने वाली अनुभवी अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि (62) लगभग तीन दशकों (30 साल) के लंबे अंतराल के बाद आखिरकार अपनी कर्मभूमि मुंबई लौट आई हैं। उन्होंने मनोरंजन उद्योग (Entertainment Industry) में एक बार फिर से कदम रखने और सार्थक काम करने की इच्छा जताई है। वर्ष 1997 में शादी के बंधन में बंधने के बाद मीनाक्षी ने अभिनय जगत से दूरी बना ली थी और वे अमेरिका जाकर बस गई थीं। अब इतने सालों बाद उनकी भारत वापसी से बॉलीवुड और उनके प्रशंसकों में उत्साह का माहौल है। मीनाक्षी शेषाद्रि ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर खुद अपनी इस नई शुरुआत की घोषणा की। उन्होंने बेहद भावुक अंदाज में कहा: "मेरे इंस्टाग्राम परिवार के सदस्यों को सादर नमस्ते। आज मैं आप सभी के प्यार, प्रोत्साहन और निरंतर समर्थन के लिए तहे दिल से शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। 30 साल लंबे अंतराल के बाद मैं अपनी कर्मभूमि मुंबई (भारत) वापस लौट आई हूं और एक बार फिर आशा, जुनून और सकारात्मकता के साथ मनोरंजन उद्योग में कदम रखा है।" 30 साल लंबे अंतराल के बाद मैं अपनी कर्मभूमि मुंबई (भारत) वापस लौट आई हूं और एक बार फिर आशा, जुनून और सकारात्मकता के साथ मनोरंजन उद्योग में कदम रखा है। उन्होंने कहा, मैं सार्थक अवसरों की प्रतीक्षा कर रही हूं, चाहे वह मुख्य भूमिका हो, सहायक चरित्र हो या फिर कोई छोटा शो हो। भूमिका प्रभावशाली होनी चाहिए, यही मायने रखता है। यह फिल्में या ओटीटी शो भी हो सकते हैं, लेकिन मैं ऐसी भूमिकाएं तलाशना चाहती हूं जो एक कलाकार के रूप में मुझे चुनौती दें और मेरे अभिनय के नए आयामों को खोजने में मेरी मदद करें। शेषाद्रि ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 1983 में हिंदी फिल्म पेंटर बाबू से की थी। इसी वर्ष सुभाष घई की फिल्म हीरो से उन्हें काफी शोहरत मिली, जिसमें उनके साथ जैकी श्रॉफ मुख्य भूमिका में थे। मीनाक्षी शेषाद्रि ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत वर्ष 1983 में हिंदी फिल्म 'पेंटर बाबू' से की थी। हालांकि, इसी वर्ष रिलीज हुई शोमैन सुभाष घई की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'हीरो' से उन्हें देशव्यापी शोहरत मिली, जिसमें उनके साथ जैकी श्रॉफ मुख्य भूमिका में थे।

लखनऊ में योगी का विपक्ष पर हमला बोले- पहले बिजली के तारों पर सूखते थे कपड़े

सीएम योगी ने कहा- सपा, बसपा और कांग्रेस के एजेंडे में न किसान, न महिला और न युवा ही थे। इसीलिए वह फेल रहे। हम सफल हैं। पहले यूपी को पहचान का संकट था। आज सबको सम्मान मिलता है।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

'हम गमला लगाते हैं, तो कोई कार से आता है और गमला उठाकर ले जाता है। जितना कार का तेल लग रहा है, उतने में नया गमला ले सकते हो। ये चोरी का नया मॉडल है। अब हर जगह सीसीटीवी लगे हैं, हम उससे देखते रहते हैं। पता लगता है कि ढाई करोड़ की कार से 45 रुपए के गमले चुरा रहे हैं। 45 रुपए के गमले खरीदकर आप घर में लगा सकते थे। आपका सम्मान भी रहता और शहर भी अच्छा दिखता। एक बार तो मेरे मन में आया था कि गमला चोरी करने वालों की फोटो चौराहे पर लगवाऊं, क्योंकि जो पैसा हम खर्च कर रहे हैं, वह जनता का है। यह न तो हमारा है, न वित्त मंत्री खन्नाजी का और न ही ऊर्जा मंत्री शर्माजी का।' ये बातें सीएम योगी ने मंगलवार को लखनऊ में कहीं। सीएम योगी भाजपा मेयर सुषमा खर्कवाल के कार्यकाल के 3 साल पूरे होने पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 413 करोड़ की परियोजनाएं लॉन्च कीं। सीएम ने वित्त मंत्री पर चुटकी ली। कहा- लखनऊ को स्वच्छता रैंकिंग में नंबर वन लाने के लिए खन्नाजी नारेबाजी कर रहे हैं। आप सोचिए, 80-85 की उम्र में खन्नाजी नारे लगा सकते हैं, तो आप काम तो कर ही सकते हैं। सीएम योगी ने कहा- महिला सुरक्षा के लिए खतरा पहले सपा के लोग ही बने हुए थे। शासन की योजनाओं का लाभ पहले सिर्फ एक परिवार को मिलता था। अब यह देश, प्रदेश, लखनऊ की जनता और गरीबों के लिए है। लखनऊ प्रदेश का सबसे बड़ा महानगर बन गया है। सबसे बड़ा नगर निगम भी है। हम उस नकारात्मक राजनीति को जवाब दे रहे हैं, जो सिर्फ सकारात्मक काम पर उंगली उठाती है। इसे आपको भी देखना चाहिए। आज हमारे शहर में ईज ऑफ लिविंग है। योगी ने कहा- पिछली सरकार के पाप के गड्ढों को भरने का हमने काम किया। उनके भ्रष्टाचार के कूड़ेदान को भरा। इसका परिणाम है कि लखनऊ नगर को स्वच्छता रैंकिंग में तीसरा नंबर मिला है। अब हमें लखनऊ को पहले नंबर पर लाना है। हर नागरिक की जिम्मेदारी होती है कि घर का कूड़ा कूड़ेदान में ही फेंके और सरकारी संपत्ति को नुकसान न पहुंचाए। सीएम ने कहा- आज वे लोग सवाल उठा रहे हैं, जिनके कार्यकाल में बिजली के तारों पर लोग कपड़े सुखाते थे। रात और दिन के हिसाब से लाइट आती थी। आज हम सभी की जिम्मेदारी है कि पावर कॉरपोरेशन के साथ खड़े हों। यह डबल इंजन की सरकार समस्या नहीं, समाधान देती है। 5 महीने पहले की बात है। 25 दिसंबर को लखनऊ में पीएम मोदी ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया। इस मौके पर प्रेरणा स्थल और उसके आसपास के इलाके को फूलों से सजाया गया। पीएम के जाने के कुछ घंटे बाद ही लोगों ने सजावट में लगे गमले चोरी कर लिए। कोई कार से तो कोई स्कूटी पर गमले चुराकर ले गया। इसके बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण ने वहां से गमलों को हटवा दिया था। सीएम योगी ने कहा- हमने कल ही प्रधानों के कार्यकाल को बढ़ा दिया है, जब तक कि ओबीसी कमीशन अपनी रिपोर्ट नहीं दे देता। आज हम चुनौती का सामना कर रहे हैं। विपक्ष के नैरेटिव को न मानें। आज वो लोग सवाल उठा रहे, जिनके कार्यकाल में बिजली के तार पर लोग कपड़ा सुखाते रहे। रात और दिन के हिसाब से लाइट आती थी। आज हम सभी की जिम्मेदारी है कि पावर कॉरपोरेशन के साथ में खड़े हों। ये डबल इंजन की सरकार समस्या नहीं समाधान देती है। इसी का एक प्लेटफॉर्म है नगर निगम। एक मॉडल गोशाला लखनऊ में बन रही है। यहां गोसेवा के साथ में सीएनजी बनेगी। फार्मिंग होगी। नगर निगम अपनी सभी योजनाओं को आगे बढ़ाएगा। स्मार्ट सिटी से जो काम आगे बढ़े हैं, वह सीएम ग्रिड के लिए मॉडल हैं।

नामजद आरोपियों पर पुलिस ने 25-25 हजार रुपए का इनाम

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में यूपीएससी की तैयारी कर रही छात्रा का गैंगरेप करने वाले 2 नामजद आरोपियों पर पुलिस ने 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। दोनों आरोपी मोबाइल बंद करके अंडरग्राउंड हो गए हैं। पुलिस की पांच टीमें गैर राज्यों में भी दबिश दे रही हैं। पुलिस की मानें तो आरोपी दिल्ली पुलिस की कॉल से अलर्ट हो गए और मोबाइल स्वीच ऑफ करके फरार हो गए। आशंका जाहिर की जा रही है कि आरोपी कोर्ट में सरेंडर करने की तैयारी में जुटे हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा। हालांकि, अब तक तीसरे आरोपी की पहचान तक नहीं हुई है। जौनपुर की रहने वाली युवती दिल्ली में रहकर यूपीएससी की तैयारी करती है। वह एक निजी कॉलेज से बीए ऑनर्स की कोर्स भी कर रही है और सेकेंड ईयर में है। कॉलेज में छुट्टी होने पर वह 1 मई को अपने घर आई थी। पीड़िता ने बताया कि एग्जाम की डेट आने के बाद वह 15 मई को दिल्ली वापस जाने के लिए निकली। पिता जाफराबाद रेलवे स्टेशन पर सुहेलदेव एक्सप्रेस में बैठाकर चले गए। युवती ने बताया कि ट्रेन में बैठने के बाद उसने अपने दोस्त शिवम यादव को वॉट्सएप पर मैसेज किया। युवती के अनुसार, शिवम को वह 4 साल से जानती है। मैसेज मिलने के बाद वह उससे मिलने चारबाग स्टेशन पर आया। वहां मिलने के बाद उसने रूम पर चलने को कहा। बार-बार रिक्वेस्ट पर वह मान गई। शिवम उसे लेकर सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में अपने रूम में गया। जहां कॉफी में नशीला पदार्थ देकर छात्रा के साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद अपने दोस्तों से भी रेप करवाया। तबियत बिगड़ने पर उसे जनरल टिकट देकर ट्रेन में बैठा दिया। मामले में एडीसीपी रल्लापल्ली बसंत ने बताया कि आरोपियों की तलाश में पुलिस की सर्विलांस सहित पांच टीमें लगी हैं। घटना संज्ञान में आते ही पुलिस एक्टिव हो गई थी, लेकिन दिल्ली पुलिस की कॉल से आरोपी एक्टिव हो गए।

बिजली संकट के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को सपा कायलिय में प्रेसवार्ता की। इस दौरान उन्होंने भाजपा जमकर बोला। पुलिस की कार्यशैली भी सवाल उठाए। कहा कि आजकल फेक एनकाउंटर की खबरें काफी सुनने को आ रही हैं। कई परिवारों ने इस बारे में खुलकर बात की है। इससे पता चलता है कि सरकार फेक एनकाउंटर की साजिश लगातार कर रही है। सरकार की मर्जी के अनुसार फेक एनकाउंटर हो रहा है। अपनी धाक जमाने के लिए यूपी में एनकाउंटर किए जा रहे हैं। ये सरकार जाति देखकर एनकाउंटर करवाती है। अखिलेश यादव ने कहा, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनते ही केंद्र की भाजपा सरकार भी गिर जाएगी। भाजपा सरकार "फेक एनकाउंटर" की तरह "फेक अर्थव्यवस्था" का भी प्रचार कर रही है। डॉलर जितना ऊपर जाएगा, चाय उतनी महंगी होती जाएगी और इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है। भाजपा सरकार के 10 वर्षों में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) वर्ग पर सबसे ज्यादा अत्याचार हुए हैं। सबसे अधिक फर्जी एनकाउंटर पीडीए वर्ग के लोगों के हुए हैं और उन्हें धमकाने के उद्देश्य से इस तरह की कार्रवाई की जा रही है। अखिलेश यादव ने जौनपुर के एक यादव पुजारी के कथित एनकाउंटर का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने संघर्ष करके पुजारी परिवार को न्याय दिलाया और दोषियों को जेल भिजवाया।फर्जी एनकाउंटर करने वाले लोग "मानसिक रोगी" बन जाते हैं। उन्होंने 2020 हाथरस केस का जिक्र करते हुए कहा कि जो तस्वीर 2020 में हाथरस में देखने को मिली थी, वैसी ही स्थिति अब 2026 में भी दिखाई दे रही है।सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी है और सरकार के संरक्षण में फर्जी एनकाउंटर किए जा रहे हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा, प्रदेश में बिजली संकट के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। भीषण गर्मी में अघोषित बिजली कटौती से जनता बेहाल है। भाजपा ने दस साल में बिजली के क्षेत्र में कोई काम नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने केवल बिजली का बिल बढ़ाकर जनता से लूट की है। आज प्रदेश में जो बिजली मिल रही है, वह सपा सरकार में लगाए गए बिजलीघरों से आ रही है।

मलिहाबाद के कसमंडी कलां गांव में बागों में पुलिस कर्मी तैनात

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

मलिहाबाद के कसमंडी कलां गांव में बड़े मंगल को देखते हुए प्रशासन विवादित ढांचों की सुरक्षा बढ़ाते हुए बागों में पुलिस कर्मी तैनात किए हैं। साथ ही ढांचों के पास जाने से पूर्ण रूप से रोक लगा दी है। बीते शनिवार को सुहेलदेव आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश पासी शाम लगभग साढ़े छह बजे दो पुराने ढांचे के पहुंच कर हनुमान चालीसा पढ़ने की कोशिश की थी। साथ ही मंगलवार को फिर आकर हनुमान चालीसा पढ़ने की बात कही थी। जिसके बाद से प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है। किसी प्रकार माहौल खराब करने वाली गतिविधियां न हो सके। मंगलवार को पुरातत्व की टीम पहुंचने की उम्मीद है। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि पुलिस बल सभी रास्तों के साथ बागों में भी तैनात है। सभी गतिविधियों पर नज़र रखी जा रही है। लाखन आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज पासी ने सोमवार को मोहनलाल गंज सांसद आरके चौधरी, अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद, मछली शहर सांसद पप्रिया सरोज, कौशांबी सांसद पुष्पेंद्र सरोज से राज पासी राजा कंस पासी का किला बचाने के लिए वीडियो जारी साथ मांगा था। साथ ही हरदोई, सीतापुर जिलों में ग्रामीणों के साथ नुक्कड़ सभा कर किला बचाने के लिए साथ मांगा। 21 मई को सूरज पासी ने यह मुद्दा उठाया था कि कसमंडी में बना मकबरा और मस्जिद सन 980 से 1031 के दौरान राजपासी राजा कंस शिव मंदिर और किला था, जिसमें आज भी उसमें कई प्रकार की हिंदुओं की परम्परागत आकृतियां दीवारों पर बनी हैं।

लखनऊ में सगाई के चार दिन बाद युवती की हत्या

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ में ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व 28 मई को मनाया जाएगा। मुस्लिम समुदाय में इसे लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। जहां बाजारों में बकरों की मंडी लगने लगी है। वहीं मस्जिदों और ईदगाहों में साफ-सफाई व व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं सुन्नी धर्मगुरु मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने बताया कि ऐशबाग स्थित ईदगाह में बकरीद की नमाज 28 मई को सुबह 10 बजे अदा की जाएगी। उन्होंने लोगों से समय से ईदगाह पहुंचने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है। साथ ही सड़कों पर नमाज अदा न करने को कहा है, ताकि यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो। उन्होंने कुर्बानी के दौरान साफ-सफाई और एहतियात बरतने की भी अपील की। कुर्बानी निर्धारित स्थानों पर ही करें और अवशेष खुले में न डालें। शिया धर्म गुरु मौलाना कल्बे जवाद और मरकजी शिया चांद कमेटी के अध्यक्ष मौलाना सैफ अब्बास नकवी ने भी बकरीद का पर्व 28 मई को मनाए जाने की बात कही। दोनों धर्मगुरुओं ने कहा कि धार्मिक परंपराओं के साथ-साथ प्रशासनिक नियमों और सामाजिक जिम्मेदारियों का पालन भी जरूरी है।

लखनऊ में रात करीब 11:30 बजे तेज आंधी आई

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में नौतपा के पहले दिन रविवार को देर रात तेज आंधी आई। इससे कई होर्डिंग उड़ गए। पेड़ की टहनियां टूटकर गिर गईं। गोमतीनगर की कई कॉलोनियों में बिजली कट गई। अधिकतम तापमान सामान्य से 2.4 डिग्री ज्यादा रहा। मौसम विभाग ने गरज-चमक के साथ बारिश और तूफान का अलर्ट जारी किया है। 2 जून तक चलने वाले नौतपा के दूसरे दिन यानी आज मंगलवार को सुबह हल्के बादल छाए रहे। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज हो सकता है। वहीं, न्यूनतम तापमान 29 डिग्री रहेगा। अगले 4-5 दिनों में आंधी-बारिश के आसार हैं, जिससे तापमान 10°C तक गिर सकता है। सोमवार को अधिकतम तापमान 42.3 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से 2.1 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 28.6 डिग्री रहा। यह सामान्य से 3.1 डिग्री अधिक रहा। अधिकतम आर्द्रता 56 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 25 फीसदी दर्ज की गई। दिन में 25 से 35 किलोमीटर की रफ्तार से गर्म हवा के झोंके चले।प्रदेश में गर्मी और लू का असर बढ़ गया है। मौसम विभाग ने लोगों को सावधान रहने की सलाह दी है। विभाग के अनुसार छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को ज्यादा दिक्कत हो सकती है। बाहर काम करने वाले मजदूरों और धूप में लंबे समय तक रहने वालों को लू लगने और शरीर में पानी की कमी होने का खतरा है। मौसम विभाग के मुताबिक, सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक सबसे ज्यादा गर्मी रही। गर्मी लगने से लोगों को सिरदर्द, चक्कर, कमजोरी, घमौरियां और हीट स्ट्रोक जैसी परेशानी हो सकती है। डॉक्टरों ने चाय, कॉफी, शराब और कोल्ड ड्रिंक कम पीने की सलाह दी है, क्योंकि इससे शरीर में पानी की कमी बढ़ती है। बासी खाना खाने से भी बचने को कहा गया है। किसानों को फसलों की सिंचाई जारी रखने की सलाह दी गई है। वहीं, जानवरों को भी धूप से बचाकर छांव में रखने और पर्याप्त पानी देने को कहा गया है। लखनऊ में भीषण गर्मी के बीच ट्रैफिक पुलिस ने पहल की है। राहगीरों और ट्रैफिक सिग्नल पर रेड लाइट होने पर रुकने वाले वाहन चालकों को राहत देने के लिए चौराहों पर ग्रीन नेट लगाया है। इससे लोगों के ऊपर सीधी धूप नहीं पड़ रही, जिससे राहत मिली है। रविवार को हजरतगंज में चौराहों पर ग्रीन नेट लगे दिखे।

उन्नाव में चौथे बड़े मंगल पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

जिलेभर में लगे भंडारे, भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जिले में ज्येष्ठ माह के चौथे बड़े मंगल पर मंगलवार को श्रद्धा का माहौल रहा। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक जगह-जगह भंडारों का आयोजन किया गया। इन भंडारों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और हनुमान जी का आशीर्वाद लिया। हनुमान मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। कई स्थानों पर सुंदरकांड, हनुमान चालीसा और भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया। शहर के प्रमुख मंदिरों के अलावा मोहल्लों, बाजारों और गांवों में भी सामाजिक संगठनों और श्रद्धालुओं द्वारा बड़े स्तर पर भंडारे लगाए गए। इनमें पूड़ी-सब्जी, शरबत, हलवा, बूंदी, चना और ठंडे पेय पदार्थ वितरित किए गए। भीषण गर्मी को देखते हुए पानी और शरबत की विशेष व्यवस्था की गई थी। बड़े मंगल के आयोजनों के कारण शहर के कई मार्गों पर भीड़ बढ़ गई। यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा और ट्रैफिक के पुख्ता इंतजाम किए थे। प्रमुख

चौराहों और मंदिरों के आसपास पुलिस बल तैनात रहा, और यातायात पुलिस वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करती दिखी। ग्रामीण क्षेत्रों में भी बड़े मंगल का उत्साह देखने को मिला। गांवों में सुबह से ही मंदिरों में पूजा-अर्चना शुरु हो गई थी। कई जगहों पर अखंड रामायण और भजन संध्या का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने हनुमान जी के दर्शन कर सुख-शांति की कामना की। श्रद्धालुओं ने बताया कि बड़े मंगल का विशेष धार्मिक महत्व है और इस दिन हनुमान जी की पूजा करने से संकट दूर होते हैं। पूरे दिन जिले में धार्मिक आयोजनों और भंडारों का सिलसिला जारी रहा। बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा।

एक्सप्रेस-वे पर AC बस पलटी, दरोगा समेत 7 की मौत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर डबल डेकर AC बस मंगलवार सुबह करीब 5 बजे अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में दरोगा-कैदी समेत 7 यात्रियों की मौत हो गई। 3 पुलिसकर्मी समेत 25 लोग घायल हैं। दिल्ली से बिहार जा रही बस में 36 यात्री सवार थे। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि ड्राइवर को झपकी आने से हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बस तेज रफ्तार में थी। अचानक ड्राइवर ने बस से नियंत्रण खो दिया। बस डिवाइडर से टकराकर किनारे लगी रेलिंग पर लटक गई। इससे कई यात्री बस की खिड़कियों से एक्सप्रेस-वे के नीचे गिर गए। एक का पैर कटकर अलग हो गया। हादसा औरास थाना क्षेत्र में एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 262 के पास हुआ। मृतकों में बिहार के सीवान पुलिस लाइन में तैनात दरोगा रामचंद्र राम (59) और गुरुग्राम निवासी कैदी छत्तरपाल सिंह तोमर (59) भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, सीवान पुलिस की टीम 24 मई को कैदी को गुरुग्राम कोर्ट में पेशी के लिए लेकर गई थी। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। एक्सप्रेस-वे के बगल में ढलान वाली जगह पर घायल तड़पते रहे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। 6-7 एंबुलेंस की मदद से 32 घायलों को पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। फर्श पर खून ही खून फैल गया। घायल दर्द से कराहते रहे।

बिजली, सड़क और यातायात व्यवस्था पर प्रशासन सख्त

उन्नाव के विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी घनश्याम मीणा की अध्यक्षता में व्यापार बंधु की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में व्यापारियों और उद्यमियों ने बिजली, सड़क, यातायात, नगर पालिका, खाद्य सुरक्षा तथा पुलिस विभाग से जुड़ी प्रमुख समस्याओं को उठाया। जिलाधिकारी ने सभी समस्याओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। व्यापार बंधुओं ने बैठक में शहर की खराब सड़कें, जाम की समस्या, अव्यवस्थित यातायात, बिजली कटौती, नालों की सफाई और अतिक्रमण जैसे मुद्दों को जिलाधिकारी के समक्ष रखा। इस पर जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने जोर दिया कि उद्यमियों और व्यापारियों की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण किया जाए ताकि व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित न हों। जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को शहर की बिजली व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि कॉमर्शियल कनेक्शन धारकों को बिल जमा करने के लिए कम से कम 15 दिनों का समय दिया जाए और पर्याप्त समय दिए बिना उनके कनेक्शन न काटे जाएं। यातायात व्यवस्था को लेकर जिलाधिकारी ने ई-रिक्शा संचालन पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि ई-रिक्शा केवल निर्धारित रूटों पर ही संचालित किए जाएं। इसके लिए एक कार्ययोजना तैयार कर उसे सख्ती से लागू करने को कहा गया। साथ ही, शहर में जाम की समस्या कम करने के लिए पुलिस और प्रशासन को संयुक्त अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। बैठक में शहर में बढ़ते अतिक्रमण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। जिलाधिकारी ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को संयुक्त रूप से अभियान चलाकर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, गलत तरीके से वाहन पार्क करने वालों के खिलाफ चालान और वाहन सीज करने की कार्रवाई भी सुनिश्चित करने को कहा गया। जिलाधिकारी ने शहर में बनाए गए पड़ाव अड्डों की व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के भी निर्देश दिए ताकि यातायात सुचारु रूप से संचालित हो सके। इसके अलावा, नालों की सफाई और प्रकाश व्यवस्था को लेकर भी संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

उन्नाव में ओवरलोड और बिना नंबर प्लेट वाहनों पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में जिला प्रशासन ने ओवरलोड और बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा के निर्देश पर गठित टास्क फोर्स ने बीते 48 घंटे में 89 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 37 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने जिले में अवैध रूप से संचालित ओवरलोड और बिना नंबर प्लेट वाहनों पर अंकुश लगाने के लिए एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया था। एआरटीओ संजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में परिवहन, खनन, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों ने विभिन्न स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के तहत 48 घंटे में 48 ओवरलोड वाहनों को पकड़ा गया, जिन पर नियमानुसार भारी जुर्माना लगाया गया। इसके अतिरिक्त, बिना नंबर प्लेट के चल रहे 41 वाहनों पर भी कार्रवाई की गई। अधिकारियों के अनुसार, ये वाहन नियमों की अनदेखी कर अवैध रूप से संचालित हो रहे थे, जिससे सड़क सुरक्षा को खतरा था। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि ओवरलोड वाहनों से सड़कें तेजी से क्षतिग्रस्त होती हैं और दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ती है। साथ ही, बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों का उपयोग अपराध और अवैध गतिविधियों में होने की संभावना रहती है। इन्हीं कारणों से जिलेभर में यह सघन अभियान चलाया जा रहा है। एआरटीओ संजीव कुमार सिंह ने जानकारी दी कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने वाहन मालिकों और चालकों से अपने सभी दस्तावेज पूरे रखने तथा वाहनों का संचालन निर्धारित नियमों के अनुसार करने की अपील की है। इस कार्रवाई के दौरान कई वाहन चालक चेकिंग देखकर रास्ता बदलते हुए भी देखे गए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा के निर्देश पर ओवरलोड और बिना नंबर प्लेट वाहनों के खिलाफ कार्रवाई के लिए विशेष टास्क फोर्स गठित की गई है।संयुक्त टीमों ने 89 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 37 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला।

उन्नाव में तेज हवाओं और बारिश से मौसम हुआ सुहावना

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे लोगों को सोमवार रात अचानक बदले मौसम से राहत मिली। देर शाम तेज हवाओं के साथ कई ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश शुरू हो गई। आंधी और बूंदाबांदी के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों ने राहत महसूस की। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को जिले का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। दिनभर तेज धूप और उमस के बाद रात में मौसम ने करवट ली। अचानक तेज हवाएं चलने लगीं और आसमान में बादल छा गए, जिसके बाद कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। तेज हवा और आंधी का असर यातायात पर भी पड़ा। कई स्थानों पर धूल भरी आंधी के कारण वाहन चालकों को परेशानी हुई और कुछ देर के लिए सड़क पर यातायात धीमा पड़ गया। ग्रामीण क्षेत्रों में तेज हवाओं से पेड़ों की डालियां टूटकर सड़कों पर गिर गईं, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ। मौसम खराब होने के साथ ही जिले के कई ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई। शुक्लागंज और आसपास के क्षेत्रों में तेज हवा के चलते बिजली गुल हो गई। शहर के कई हिस्सों में भी बिजली कटौती से लोगों को दिक्कतें हुईं। बिजली विभाग की टीमें आपूर्ति बहाल करने में जुटी रहीं। बारिश और तेज हवाओं के बाद मौसम में ठंडक घुल गई, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि, बिजली कटौती के कारण कुछ इलाकों में लोगों को परेशानी का सामना भी करना पड़ा। मौसम बदलने के बाद बच्चे और युवा घरों से बाहर निकलकर बारिश का आनंद लेते देखे गए।

उन्नाव में सड़क किनारे प्रसाद बांट रहीं दो बच्चियों को ट्रक ने रौंदा

उन्नाव में मंगलवार सड़क किनारे प्रसाद बांट रही दो बच्चियों को ट्रक ने रौंद दिया। हादसे में दोनों के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। दोनों को कानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा दोपहर करीब तीन बजे करोवन मोड़ रुस्तमपुर के पास हुआ। सीमेंट से लदे एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी दो बच्चियों को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में दोनों बच्चियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। जानकारी के अनुसार, सीमेंट से लदा ट्रक परियर रोड से उन्नाव की ओर जा रहा था। बाबू खेड़ा चौराहे के पास प्रसाद वितरण कार्यक्रम चल रहा था, जिसमें कई लोग शामिल थे। इसी दौरान अनियंत्रित ट्रक ने बच्चियों को टक्कर मार दी। घायल बच्चियों की पहचान 10 वर्षीय रोशनी (दीपू की बेटी) और 8 वर्षीय माही (पिटू की बेटी) के रूप में हुई है। दोनों को गंभीर चोटें आई हैं, और परिजनों के अनुसार रोशनी की हालत ज्यादा गंभीर है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और घायल बच्चियों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने वाहन संख्या के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र से भारी वाहन अक्सर तेज रफ्तार में गुजरते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा उपाय करने और भारी वाहनों की गति नियंत्रित करने की मांग की है। कोतवाली प्रभारी सीके मिश्र ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और चालक के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। दोनों बच्चियों का अस्पताल में इलाज जारी है।

प्रयागराज को मिली 400 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात

डबल इंजन सरकार में बदली प्रयागराज की तस्वीर : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज दौरे के दौरान कहा कि डबल इंजन सरकार में शहर की कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है और माफिया गतिविधियों पर रोक लगी है। उन्होंने 400 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया, नगर निगम सदन हॉल का शिलान्यास किया तथा गंगा आरती में शामिल हुए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को प्रयागराज पहुंचे, जहां उन्होंने नगर निगम द्वारा आयोजित "मेयर के तीन साल बेमिसाल" कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शहर में हुए विकास कार्यों और कानून-व्यवस्था में आए बदलावों को सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि नौ वर्ष पहले प्रयागराज की स्थिति बेहद खराब थी और यहां अराजकता, गुंडागर्दी तथा माफिया गतिविधियों का बोलबाला था, लेकिन आज शहर विकास, सुरक्षा और सुशासन का प्रतीक बन चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि पहले प्रयागराज में बेटियां सुरक्षित महसूस नहीं करती थीं। अपराधियों और माफियाओं का भय आम लोगों के जीवन पर हावी था। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार की सख्त नीतियों और प्रभावी प्रशासनिक कार्रवाई के कारण कानून-व्यवस्था को मजबूत किया गया है। सरकार ने अपराध और माफिया गतिविधियों पर कठोर कार्रवाई करते हुए प्रदेश में सुरक्षा का वातावरण स्थापित किया है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 400 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने नगर निगम के नव-निर्मित सदन हॉल की आधारशिला रखी और शहर में सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से सफाई कर्मियों को किट वितरित की। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने नई सफाई गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में प्रयागराज की मेयर ने मुख्यमंत्री का पौधा भेंट कर स्वागत किया और उनके चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। मंच पर मुख्यमंत्री के साथ जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह तथा कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, नगर निगम के अधिकारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज अब केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि आधुनिक विकास और सुशासन के मॉडल के रूप में भी पहचान बना रहा है। उन्होंने नगर निगम और प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि शहर को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने जनता से भी विकास कार्यों में सहयोग करने की अपील की।नगर निगम कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री संगम क्षेत्र पहुंचे, जहां उन्होंने गंगा दशहरा के अवसर पर आयोजित गंगा आरती में भाग लेने का कार्यक्रम तय किया। प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। संगम क्षेत्र और कार्यक्रम स्थल पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

अंतिम संस्कार के लिए वाराणसी जा रही मैजिक का भीषण हादसा

चंदौली जनपद के अलीनगर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात लगभग 1:30 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। अंतिम संस्कार के लिए शव लेकर वाराणसी जा रही एक मैजिक वाहन ने राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि वाहन में सवार लोगों के बीच चीख-पुकार मच गई और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, सभी यात्री बिहार के भभुआ जनपद के भगवानपुर क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं और शव लेकर अंतिम संस्कार के लिए वाराणसी जा रहे थे। इसी दौरान अलीनगर थाना क्षेत्र के भिखारीपुर गांव के समीप तेज रफ्तार मैजिक अनियंत्रित होकर आगे चल रही ट्रक से जा भिड़ी। टक्कर इतनी तेज थी कि मैजिक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और एनएचएआई हेल्पलाइन टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। अंधेरे और हादसे के बाद मची चीख-पुकार के बीच घायलों को वाहन से निकालना चुनौतीपूर्ण रहा। घायलों को तत्काल एंबुलेंस की मदद से पंडित कमलापति त्रिपाठी जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जिला अस्पताल के इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर डॉ. अजय कुमार सिंह के अनुसार, हादसे में कुल 17 लोग प्रभावित हुए हैं। इनमें 2 लोग सामान्य स्थिति में हैं, जबकि 15 लोगों को चोटें आई हैं। घायलों में से 4 की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए बीएचयू ट्रॉमा सेंटर, वाराणसी रेफर कर दिया गया है। शेष घायलों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है। कई घायलों के हाथ-पैर में फ्रैक्चर है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर हादसे की वजह तेज रफ्तार और वाहन का नियंत्रण खोना माना जा रहा है। आशंका है कि चालक को झपकी आ गई थी। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर ट्रक चालक से पूछताछ शुरू कर दी है। हादसे के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जो लोग अपनों का अंतिम संस्कार करने जा रहे थे, वे खुद अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। पुलिस ने सभी घायलों के परिजनों को सूचना दे दी है।

SSC कांस्टेबल जीडी 2026 की परीक्षा 5 जिलों में रद्द

प्रयागराज में जमकर हंगामा

प्रयागराज सहित पांच जिलों में आयोजित कांस्टेबल जीडी 2026 की परीक्षा रद्द कर दी गई है। इसे रद्द करने के पीछे तकनीकी कारणों का हवाला दिया गया है। प्रयागराज के अलावा कानपुर, लखनऊ, गोरखपुर और बिहार के मुजफ्फरपुर स्थित परीक्षा केंद्रों की परीक्षाएं रद्द हुई हैं।कर्मचारी चयन आयोग(S S C) की कांस्टेबल जीडी परीक्षा के अभ्यर्थियों ने प्रयागराज में जमकर हंगामा काटा है। परीक्षा न दे पाने पर परीक्षार्थियों ने परीक्षा केंद्र में जमकर तोड़फोड़ की है और सड़क पर जाम भी लगाया है। दरअसल सोमवार को परीक्षार्थी एसएससी कांस्टेबल जीडी परीक्षा देने के लिए अंदावा के एक परीक्षा केंद्र पर पहुंचे थे। लेकिन परीक्षा में हिस्सा ना ले पाने से परीक्षार्थी आक्रोशित हो गए। परीक्षार्थियों ने परीक्षा कक्ष में रखे कंप्यूटर, लैपटॉप, सीपीयू के अलावा कुर्सी और फर्नीचर में तोड़फोड़ की। परीक्षार्थियों के हंगामे से परीक्षा केंद्र में अफरा तफरी मच गई। परीक्षार्थियों का आरोप था कि जब बैठने की जगह नहीं थी, तो इतनी दूर भीषण गर्मी में अधिक संख्या में परीक्षार्थियों को क्यों बुला लिया गया। एसएससी मध्य क्षेत्र की ओर से दूसरी और तीसरी पाली की परीक्षा स्थगित किए जाने की सूचना परीक्षा केंद्र पर चस्पा होने के बाद छात्र वापस चले गए। एसएससी मध्य क्षेत्र में परीक्षा की जिम्मेदारी बेंगलुरु की कंपनी एडूक्विटी

कॅरियर टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड को दी है। अंदावा स्थित आईटेक जोन सेंटर पर द्वितीय और तृतीय पाली की परीक्षा के लिए कुल 650 कंप्यूटर सिस्टम उपलब्ध थे, दूसरी पाली में 505 की जगह 1035 परीक्षार्थी और तीसरी पाली में 495 की जगह 1034 परीक्षार्थियों का केंद्र आवंटित कर दिया। केंद्र व्यवस्थापकों ने बताया कि अभ्यर्थियों के आवंटन की जानकारी सोमवार को ही केंद्र को ईमेल पर दी गई। इसके बाद क्षमता से अधिक परीक्षार्थियों के पहुंचने पर अफरा तफरी मच गई। परीक्षार्थियों के तोड़फोड़ और जाम लगाने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची। ट्रेनी आईपीएस ईश्वर लाल गुर्जर, एसीपी थरवई अरुण पाराशर, एसीपी फूलपुर विवेक यादव और सराय इनायत थाना अध्यक्ष संजय गुप्ता मौके पर पहुंचे।

पारिवारिक विवाद में युवक से मारपीट

जनपद के मीरगंज थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद ने उस समय गंभीर रूप ले लिया, जब एक युवक ने अपनी पत्नी और ससुराल पक्ष के लोगों पर मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गूला निवासी राजेश कुमार पुत्र मोहन लाल ने थाना मीरगंज में तहरीर देकर बताया कि उनकी पत्नी सुनीता देवी, ससुर रामपाल, सास कौशल्या और साले ताराचंद निवासी ग्राम बडोरी थाना बहेड़ी ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। पीड़ित का आरोप है कि विवाद के दौरान चारों आरोपियों ने लात-घूंसों से हमला कर उन्हें घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी भी दी। राजेश कुमार ने पुलिस को बताया कि मारपीट में उनके बाएं हाथ सहित शरीर के कई हिस्सों में अंदरूनी चोटें आई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष के लोग लंबे समय से उन्हें मानसिक रूप से परेशान कर रहे हैं और लगातार धमकियां दे रहे हैं। पीड़ित ने आशंका जताई कि यदि भविष्य में उनके साथ कोई अप्रिय घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी उनकी पत्नी और

ससुराल पक्ष के लोगों की होगी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़ित की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।स्थानीय लोगों के अनुसार पारिवारिक विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले भी तनाव की स्थिति बनी हुई थी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आरोपियों से पूछताछ की तैयारी की जा रही है।